Hindi Murli Quiz 23-11-2015

.

Q.1) ड्रामा अनुसार बाबा जो सर्विस करा रहे हैं उसमें और तीव्रता लाने की विधि क्या है?

A. ☑ आपस में एकमत हो, कभी कोई खिट-खिट न हो।
B. ☑ अगर खिट-खिट होगी तो सर्विस क्या करेंगे |
C. ☑ आपस में मिलकर संगठन बनाए राय करो, एक दो के मददगार बनो।
D. ☑ बाबा तो मददगार है ही परन्तु "हिम्मते बच्चे मददे बाप...."
E. ☑ "हिम्मते बच्चे मददे बाप...." इसके अर्थ को यथार्थ समझकर बड़े कार्य में मददगार बनो।

Q.2) Match the following

	Choice	Match
A	हम मन्सा- वाचा-कर्मणा, तन-मन-धन से ऐसी सर्विस करें जो	भविष्य 21 जन्मों का एवज़ा बाप से मिले।
B	मनुष्य तो कुछ नहीं जानते, बेसमझ हैं। तुम बच्चों के लिए बाप का फरमान है-	मीठे-मीठे बच्चों, तुम अपने को आत्मा समझो, सिर्फ पण्डित नहीं बनना है। अपना भी कल्याण करना है।
C	बेहद का बाप ही आकर सच्चा- सच्चा	योग सिखलाते हैं। बाप तुम बच्चों को आपसमान बनाते हैं।
D	अभी माला बनाई जाए तो कहेंगे	डिफेक्टेड माला है। इनमें अजुन यह-यह अवगुण हैं।
E	तुम बच्चे जानते हो वही नॉलेजफुल, लिबरेटर, गाइड है।	तो बाप की मत पर चलना पड़े।

Q.3) Match the following

	Choice	Match
A	यहाँ सब पाप आत्मायें हैं। बाप को ही गाली देते रहते हैं।	बाप से तुमको बेमुख कर देते हैं। गायन भी है विनाश काले विपरीत बुद्धि।
B	मूल बात सबको मैसेज देना है।	बाप को याद करो तो पावन बन, पावन दुनिया का मालिक बनो।
C	रचयिता बाप ही है, चित्र तो हैं परन्तु त्रिमूर्ति में शिव को नहीं दिखाते हैं।	शिवबाबा बिगर ब्रह्मा-विष्णु-शंकर दिखाये हैं, जैसे गला कटा हुआ है।
D	जब तक बाप नहीं मिला है, तो हम भी बिल्कुल	निधनके तुच्छ बुद्धि थे।
E	बाप आत्माओं को कहते हैं - मुझे याद करो तो तुम्हारी विकारी दृष्टि	खलास हो जाए। कर्मेन्द्रियों से कोई विकर्म नहीं करना चाहिए।

Q.4) Match the following

	Choice	Match
A	अपने मूल संस्कारों के परिवर्तन द्वारा	विश्व परिवर्तन करने वाले उदाहरण स्वरूप भव!
B	हर एक में जो अपना मूल संस्कार है	जिसको नेचर कहते हो	
C	जो समय प्रति समय	आगे बढ़ने में रूकावट डालता है
D	उस मूल संस्कार का परिवर्तन करने वाले	उदाहरण स्वरूप बनो तब सम्पूर्ण विश्व का परिवर्तन होगा।
E	अब ऐसा परिवर्तन करो जो कोई यह वर्णन न करे कि इनका यह संस्कार	तो शुरू से ही है।
F	जब परसेन्टेज में, अंश मात्र भी पुराना कोई संस्कार दिखाई न दे, वर्णन न हो	तब कहेंगे यह सम्पूर्ण परिवर्तन के उदाहरण स्वरूप हैं।

Q.5) अब प्रयत्न का __ बीत गया, इसलिए दिल से प्रतिज्ञा कर जीवन का परिवर्तन करो।

- समय
- time
- samay
- samae
- semay
- semey
- saamay
- saamaay
- samey